

## अब जीवति साहित्यकारों पर भी कर सकेंगे पीएचडी, CSJMU कानपुर तैयार कर रहा लसिट चर्चा में क्यों?

23 जुलाई, 2023 को मीडिया से मली जानकारी के अनुसार उत्तर प्रदेश के कानपुर स्थित छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय (CSJMU) नई पहल करते हुए अब जीवति साहित्यकारों पर भी पीएचडी कराएगा। इसके लिये जाने-माने साहित्यकारों की सूची तैयार की जा रही है, फैसला इसी सत्र से लागू किया जाएगा।

### प्रमुख बंदि

- वदिति है कअभी तक उन साहित्यकारों पर शोध कयिा जलतल है, जो इस दुनयिा में नहीँ हैं।
- सीएसजेएमयू कुलपति प्रो. वनिय पाठक के नरिदेशन में प्रस्ताव तैयार कयिा गयल है।
- ववि में बने दीनदयल शोध केंद्र में भी अब पीएचडी होगी। इस पर अंतमि मुहर लग चुकी है। यहाँ देश व समाज के लयि उत्कृष्ट कार्य करने वली चार वभूतयिों पर पीएचडी करलई जलएगी।
- इनमें ँकलतम मानववलद कल संदेश देने वले दीनदयल उपाधयल, पूर्व प्रधानमंतरी अटल बहिलरी वलजपेयी, संवधिन के रचयतिा डॉ. भीमरलव आंबेडकर और सलमलजकि मतभेद मटलने वले छत्रपति शाहू जी महलरलज के नलम शलमलि हैं।
- गौरतलब है ककई पूर्व छात्रों ने ववि कल नलम पूरी दुनयिा में रोशन कयिा है। इनमें भरतरतन अटल बहिलरी वलजपेयी, पूर्व रलषट्रपति रलमनलथ कोवदि, रलषट्ररीय सुरकषल सलललहकलर अजीत डोभलल, प्रख्यलत कर्वल गोपलल दलस नीरज समेत कई वैज्जलनकि, रलजनेतल व देश की वभिननि कंपनयिों में उच्च पदों पर दगिगज लो ग वरिजमलन हैं।